चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.5.25	4	2-4

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य है कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना : काम्बोज

हरियाणा कृषि विवि परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति ने कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

मानव जीवन में पेड़- पौधे का विशेष महत्व

उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डा. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरूकता आएगी और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डा. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं।

बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। पेड़-पौधों से विभिन्न प्रकार की औषधियां और इमारती लकड़ी भी मिलती हैं। पृथ्वी को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फलदार, छायादार, औषधीय और पर्यावरण महत्व वाले पौधे लगाने का आह्वान भी किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	17.5.25	7	6-8

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा व मजबूती देना : कुलपति

प्रो. कांबोज बोले- पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना जरूरी

हिसार में पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य। -हप्र

हिसार, 16 मई (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फलदार, छायादार, औषधीय और पर्यावरण महत्व वाले पौधे लगाने का आह्वान भी किया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक व गैरशिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.5.25	2	4-6

कृषि पर्यटन गांवों में नए अवसरों को पैदा करता है जिससे आर्थिक सहायता मिलती है : प्रो. काम्बोज

एचएयू में विश्व एग्री टूरिज्म दिवस पर पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजित

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

हकृवि में पौधरोपण करते विवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	17.5.25	4	5-6

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना: प्रो. काम्बोज

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 16 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है।

कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है।

कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य सरंचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरुकता आएगी और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	17.5.25	11	7-8

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना : प्रो. काम्बोज

हिसार। पौधरोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य।

■ 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17.5.25	3	1-3

विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना : प्रो. बी. आर. काम्बोज

पौधारोपण करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 16 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। पेड़-पौधों से विभिन्न प्रकार की औषधियां और इमारती लकड़ी भी मिलती हैं। पृथ्वी को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फलदार, छायादार, औषधीय और पर्यावरण महत्व वाले पौधे लगाने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरुकता आएगी और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे हैं व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	16.05.2025	--	--

एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना

18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित, पौधारोपण करने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है : प्रो. कांबोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। पेड़-पौधों से विभिन्न प्रकार की औषधियां और इमारती लकड़ी भी मिलती हैं। पृथ्वी को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फलदार, छायादार, औषधीय और पर्यावरण महत्व वाले पौधे लगाने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है।

पौधारोपण करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरुकता आएगी।

एग्री-टूरिज्म सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अरविंद मलिक ने बताया कि सेंटर में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग आ रहे है व यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा यहां फल-फूल व सब्जियों के पौधे भी बिक्री हेतु मौसम अनुसार उपलब्ध करवाए जाते हैं। इस अवसर पर विभिन्न अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	16.05.2025	--	--

कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है : प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 16 मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 18वें विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एग्री टूरिज्म सेंटर और लैंडस्केप यूनिट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति ने में कहा कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस हर साल 16 मई को मनाया जाता है। यह दिन कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने और स्थानीय संस्कृतियों को संरक्षित करने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि विश्व एग्री-टूरिज्म दिवस का उद्देश्य कृषि पर्यटन को बढ़ावा देना है। कृषि पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए अवसर पैदा करता है जिससे स्थानीय लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सकता है। कृषि पर्यटन स्थानीय संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। पेड़-पौधों से विभिन्न प्रकार की औषधियां और इमारती लकड़ी भी मिलती हैं। पृथ्वी को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से फलदार, छायादार, औषधीय और पर्यावरण महत्व वाले पौधे लगाने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण करने के साथ-साथ उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कहा कि पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इससे लोगों में पेड़-पौधों के प्रति जागरुकता आएगी और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी।